प्रस्तावना

भारतीय रिज़र्व बैंक का वार्षिक प्रकाशन – ''भारत में बैंकों से संबंधित सांख्यिकी सारणियां'' बैंकों के बारे में महत्वपूर्ण सूचना प्रदान करता है । इसमें बैंकवार एवं बैंक–समूह वार महत्वपूर्ण विषयों यथा देयताओं तथा आस्तियों, आय तथा व्यय, अनर्जक आस्तियां, वित्तीय अनुपात, कार्यालयों का स्थानिक वितरण, कर्मचारियों की संख्या, एवं प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों का अग्रिम विवरण जैसे विषयों का समावेश है । यह आकलित जमा, बैंकिंग प्रणाली के दायित्व, बैंकिंग प्रणाली की आस्तियां, निवेश, बैंक–ऋण, एवं सेक्टरवार तथा उद्योगवार कुल बैंक ऋण जैसे कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर बैंक–समूहवार मासिक आंकड़ा प्रस्तुत करता है ।

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा प्रकाशित यह संस्करण श्रृंखला का 66 वां अंक है । यदि हम तत्कालीन सांख्यिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित संस्करणों को जोड़ दें तो यह श्रृंखला का 91 वां अंक है । श्रृंखला के वर्तमान संस्करण का प्रकाशन सांसूप्रवि के प्रधान परामर्शदाता श्री. ए. बी. चक्रवर्ती, एवं परामर्शदाता श्री. वी. बहुगुणा की मार्गदर्शन में प्रकाशित किया जा रहा है ।

इसके प्रकाशन के लिए गठित टीम का नेतृत्व डॉ. ए. के. श्रीमानी, निदेशक और डॉ. ए. आर. जोशी, निदेशक ने अपने सहयोगियों, डॉ.एन. के. उन्नीकृष्णन - सहायक परामर्शदाता, श्री. भास्कर बिराजदार – अनुसंधान अधिकारी, एवं श्रीमती शोभा ए. परब - सहायक प्रबंधक के समर्थ सहयोग से किया । इस कार्य में उनका सहयोग श्री. अमित कुमार, श्री. ए. एन. पटेल, श्री. ए. थॉमस, श्री. पी. एम्. पाथरे, श्रीमती. एस. आय. मिस्किटा, श्रीमती पी. पी. वनमाली और श्रीमती एल. बी. घरत ने किया ।

प्रकाशन के कार्य से जुडे दल को प्रकाशन के लिए कैमरा रेडी सामग्री तैयार करने में डेटा संग्राहक दल से भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ । डेटा संग्राहक दल का प्रतिनिधित्व श्री. एन. शेंथिल कुमार - निदेशक कर रहें हैं जिनका सहयोग श्री. जे. नवास - सहायक परामर्शदाता और नानू राम मीणा - अनुसंधान अधिकारी कर रहे हैं ।

मुझे उम्मीद है कि भारतीय बैंकिग पर आधारित यह वर्तमान खंड अनुसंधानकर्ताओं, अन्वेषकों नीति निर्माताओं और बैंकरों के लिए सूचना का महत्वपूर्ण श्रोत साबित होगा ।

दीपक मोहंती
कार्यकारी निदेशक